

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,  
उप सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
संस्कृति निदेशालय,  
उत्तराखण्ड।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक 31 मार्च, 2009

विषय :- अनुसूचित जनजाति उप योजना के तहत विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु आर्थिक सहायता के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रकरण में आपके पत्र संख्या-1823/स.नि.उ. दिनांक-2-1-08, पत्र संख्या-1887/स.नि.उ. दिनांक-10-1-2008, पत्र संख्या-2107/स.नि.उ. दिनांक-4-2-08, पत्र संख्या-2106/स.नि.उ. दिनांक-4-2-08, पत्र संख्या-2105/स.नि.उ. दिनांक-4-2-08 एवं पत्र संख्या-1711/स.नि.उ. दिनांक-17-12-07 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय निम्न संस्थाओं को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्नानुसार धनराशि स्वीकृत किए जाने पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

क्र0स0	संस्था का नाम	धनराशि (लाख में)
1.	भारतीय जनजातीय सूचना विद्या संस्थान केशव विद्यानगर, झाजरा, देहरादून	4.00
2.	ट्राइबल हेरीटेज म्यूजियम, मुनस्यारी, जिला पिथौरागढ़	4.00
3.	थारु बोक्सा जनजाति हेतु	5.00
4.	दारमा व्यास घाटी हेतु	4.00
5.	श्री किशन महिपाल, ग्राम इन्द्रधारा (माण्डा) बर्दीनाथ चमोली	2.00
6.	श्री भगत सिंह राणा, अध्यक्ष स्पर्श (जनजाति सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था ग्राम क्वानू, ताहसील बकराता, देहरादून।	0.50
7.	श्री मायाराम जोशी, जौनसार बावर, सेवानिवृत्त कर्मचारी मण्डल, देहरादून	1.50
	योग	21.00

3. उक्त धनराशि शासनादेश संख्या-105/VI-I/2007-4(4)/2007, दिनांक-5-3-2008 के द्वारा निर्धारित मानक पूर्ण होने पर ही आहरित की जायेगी।

4. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व शासन/संबंधित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।

व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

5. उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।
6. इस संस्था द्वारा किये जाने वाले कार्यों/प्रोजेक्ट की हार्ड व सॉफ्ट प्रतियाँ जैसा लागू है, में पाँच प्रतियों में संस्कृति विभाग को अभिलेखों के रूप में उपलब्ध कराये।
7. उक्त धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिया जाये।
8. संस्था को उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि संस्था इसी कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग/भारत सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं करेगी।
9. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-31 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना-02-जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखन संरक्षण उन्नयन हेतु योजना-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मानक मद के आयोजनागत पक्ष से वहन किया जायेगा।
10. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ०शा० पत्र संख्या-123डी(पी)/XXVII(3)/2008 दिनांक- 28, मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

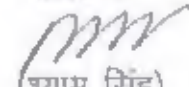
(एस०एस०वल्दिया)  
उप सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 192 /VI-I/2008, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकन्दारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. मण्डलाध्युक्त, कुमायूँ/गढ़वाल उत्तराखण्ड।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
6. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. एन.आई.सी. उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

  
(श्याम सिंह)  
अनुसचिव